THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Yes, Sir. Though the financial year is yet to close and accounts yet to be finalised, it is likely that the Burnpur Steel Works of IISCO would make a net profit of Rs. 4 crores instead of a budgeted loss of about Rs. 60 crores, in 1991-92. This is due to improved techno-economic parameters of production, emphasis laid on production of value-added items and higher-than-anticipated sales realisation etc.;

(c) and (d) The Burnpur Steel Works are proposed to be modernised at an estimated cost of Rs. 6520 cro res (inclusive of a F.E. component of Rs. 1565 crores in a period of

5

years from the date of Government's approval for the project. The project is aimed at upgrading the technology increasing volume of production, effecting a change in product mix in favour of value-added items, improving techno-economics of operation, reducing costs, etc. The PIB's approval has since been obtained to the proposal. However, the possibilities of private participation in financing the modernisation project are being explored by SAIL, under the profession al consultancy services of SBI Capital Markets Limited. Approval for the project is expected to be available before June, 1992.

(e) Does not arise.

अनुषंगी (सेकेन्डरी) इस्पात क्षेत्र में उत्पादन

2643. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 9 फरवरी, 1992 के फाइनेंसिएल एक्सप्रेस में "स्टील आउटपुट टु फॉल शार्ट बाई वन मिलियन टन" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है, यदि हां, तो क्या यह सच है कि वर्ष 1990–91 में अनुषंगी इस्पात क्षेत्र का इस्पात उत्पादन 37.2 लाख मीटरी टन था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि औद्योगिक स्रोतों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के दौरान इस उत्पादन के दस लाख मीटरी टन कम हो जाने की सम्भावना है, यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार का आकलन क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि इस्पात उत्पादन के लिए स्क्रैप के आयात में कमी के कारण उत्पादन में गिरावट आई है, यदि हां, तो दिसम्बर, 1991 तक मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कारपोरेशन द्वारा स्क्रैप की कितनी मात्रा का आयात किया गया था ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार ने स्क्रैप के आयात के लिए 450 करोड़ रुपए का आवंटन किया है और यदि हां, तो इतनी कम मात्रा में स्क्रैप का आयात किए जाने के क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां । वर्ष 1990-91 में गौण इस्पात क्षेत्र में विद्युत चाप भट्टी इकाइयों से लगभग 38.7 लाख मी० टन अपरिष्कृत इस्पात के उत्पादन का अनुमान लगाया गया था ।

(ख) और (ग) निर्बाध विदेशी मुद्रा की उपलब्धता में हुई कमी तथा आयातित स्क्रैप के उच्च मूल्य के कारण स्क्रैप के आयात में गिरावट से वर्ष 1991-92 के दौरान विद्युत चाप भट्टी इकाइयों में अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन 30 लाख टन से कम होने की संभावना है ।

दिसम्बर, 1991 तक मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन द्वारा आयातित स्क्रैप की मात्रा लगभग 2 लाख टन थी ।

(घ) वर्ष 1991-92 के दौरान स्क्रैप के आयात के लिए मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन को 450 करोड़ रुपये के मूल्य की निर्बाध विदेशी मुद्रा आवंटित की

गई थी । भुगतान संतुलन समस्या के कारण इसे बाद में घटाकर 150 करोड़ रुपये कर दिया गया था । इसके अलावा प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा भी स्क्रैप का सीधे आयात किया जाता है ।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा इस्पात का उत्पादन

2644. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
डा. जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिसम्बर, 1991 तक भारतीय इस्पात प्राधिकरण का अपरिष्कृत इस्पात तथा विक्रय योग्य इस्पात का उत्पादन गत वर्ष के इन्हीं महीनों के दौरान हुए उत्पादन की तुलना में अधिक रहा है, और यदि हां, तो प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन में कितनी-कितनी वृद्धि हुई है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उत्पादन में वृद्धि के बावजूद 1991-92 में इस्पात के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सका, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि इसका एक कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय इस्पात का मूल्य अधिक होना है ; और

(घ) यदि हां, तो अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इस्पात के मूल्यों को कम रखने के लिए सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां । "सेल" के अपरिष्कृत और विक्रय इस्पात के उत्पादन में, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, दिसम्बर, 1991 तक वृद्धि हुई है । इसका ब्यौरा निम्नानुसार है :—

(हजार टन)

	अप्रैल से दिसम्बर, 91 वास्तविक	अप्रैल से दिसम्बर, 90 वास्तविक	अन्तर मात्रा	अन्तर प्रतिशत
अपरिष्कृत इस्पात . .	7120	6301	819	13
विक्रय इस्पात . . .	5834	5208	626	12

(ख) और (ग) अंतर्राष्ट्रीय इस्पात व्यापार में मन्दी और विदेशी मांग में कमी की प्रवृत्ति के कारण निर्यात लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सका।

(घ) इस्पात संयंत्रों द्वारा समय-समय पर लागत कम करने के विभिन्न उपाय किए जाते हैं । इन उपायों में क्षमता उपयोग में वृद्धि उत्पादकता में वृद्धि, तकनीकी आर्थिक निष्पादन में सुधार सहित ऊर्जा बचत, उन्नत अनुरक्षण और उपस्करों का आधुनिकीकरण शामिल है ।

अभी हाल में लोहे और इस्पात पर से नियंत्रण समाप्त किए जाने से भी इस्पात क्षेत्र में कार्य कुशलता और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी जिससे लागत में कमी आयेगी ।

Production cost of Steel

2645. DR. YELAMANCHILI SIVA-JI: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) what is the cost of production of steel in different public sector units